(d) We are not aware whether any of the participants had such earlier training.

नेपाल में भारत-विरोधी प्रचार

3618. श्री शि० ब० सिंह :
श्री शारदानन्द :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत–नेपाल के सम्बन्धों को बिगाड़ने के लिये नेपाल के कुछ लोग सक्रिय रूप से भारत-विरोधी प्रचार कर रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) जी हां । चीन और पाकिस्तान से निकट सम्बन्ध रखने वाले दल इस तरह की कार्रवाइयां कर रहे हैं । नेपाल-स्थित चीनी राजदूतावास ने भारत-विरोधी फिल्में दिखाकर तथा अपने अधिकृत बुलेटिनों और भाषणों में भारत और भारत के विभिन्न नेताओं का अपमानजनक उल्लेख करके भारत-विरोधी प्रचार किया है ।

(ख) भारत–नेपाल सम्बन्धों की नींव पक्की है और इस तरह की कोशिशों पर कोई खास चिंतित नहीं है । छपी हुई सामग्री के रूप में खुल्लम-खुल्ला की जाने वाली कार्रवाइयों का बराबर खंडन किया जाता है । जहां तक नेपाल-स्थित चीनी राजदूतावास की खास-खास भारत-विरोधी कार्रवाइयों का सवाल है भारत सरकार ने नेपाल सरकार का ध्यान इन अनुचित बातों की ओर आकर्षित किया है और 5 मई, 1967 को नेपाल सरकार के समक्ष विरोध प्रकट किया है । भारत सरकार को भरोसा है कि नेपाल के महामहिम की सरकार नेपाल में विदेशी मिशनों को भारत के खिलाफ़ शत्रुतापूर्ण प्रचार करने की इजाजत नहीं देगी, खासकर इन मिशनों के अधिकृत बुलेटिनों में अथवा उनकी किसी अन्य सरकारी गतिविधियों में ।

काठमांडू में चीनी राजदूतावास ने 17 जून 1967 को काठमांडू में गोचर हवाई अड्डे पर भारत–विरोधी प्रदर्शन किया । चीनियों द्वारा असभ्य, अराजनयिक और बर्बर रीति से व्यवहार करने का यह नवीनतम उदाहरण है जो कि पीकिंग में हमारे राजदूतावास के अधिकारियों के प्रति किये गये व्यवहार में बहुत-ही स्पष्ट रीति से अभिव्यक्त हुआ है । 18 जून 1967 को नेपाल-स्थित हमारे राजदूतावास ने नेपाल-स्थित चीनी राजदूतावास द्वारा भारत के प्रति—जोकि नेपाल का मित्र देश है—किये गये शत्रुवत् व्यवहार के इस प्रदर्शन के खिलाफ़ नेपाल के महामहिम की सरकार से विरोध प्रकट किया । ऐसा समझा जाता है कि नेपाल के महामहिम की सरकार ने, जिसे यह जानकर बड़ा आश्चर्य हुआ था, काठमांडू हवाई अड्डे पर इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिये क़दम उठाये हैं ।

नेपाल के साथ भारत के गहरे, विविध और मैत्रीपूर्ण संबंधों के संदर्भ में, हम यह महसूस करते हैं कि कुछ अमित्र देशों द्वारा कभी-कभी उकसाई गई भ्रामक घटनाओं के बावजूद, नेपाल के लोग और विशेषकर, नेपाल के महामहिम की सरकार नेपाल में भारत के शत्रु देशों द्वारा ऐसे अनुचित और शरारतपूर्ण व्यवहार का समर्थन नहीं करेगी या उनका हौसला नहीं बढ़ायेगी ।

कभी-कभी नेपाल के कुछ अखबारों में भारत के बारे में गलत बातें देखने में आई हैं । विभिन्न प्रश्नों पर अपनी नीति का समुचित प्रचार करने से और समझा-बुझाकर यथासम्भव इनका प्रतिकार करना ही होता है ।

पृथ्वीगंज हवाई अड्डा (उत्तर प्रदेश)

3619. श्री ज्ञानेश्वर : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में पृथ्वीगंज (प्रतापगढ़) हवाई अड्डा कब से प्रयोग नहीं